Apocalipse fantástico

हवाई अड्डे की दिशा बताते सड़क-चिह्न पर मैंने एक हवाई जहाज़ का चित्र देखा, जो रहस्यमय ढंग से एक उड़ती हुई मैकरेल मछली जैसा लगता था; मैंने कल्पना की कि उसे नगरपालिका के किसी सर्वेक्षक ने बनाया होगा — कोई बेचारा, जिसने सैंडविच के लिफ़ाफ़े पर ही छपाई को भेजा जाने वाला अंतिम ख़ाका घसीट दिया होगा; या शायद उस बेचारे ने उसे दूसरे देशों के चिह्नों से नक़ल किया होगा, या और भी संभव है कि दूसरे ग्रहों के चिह्नों से, जहाँ हवाई जहाज़ जब चाहें उड़ सकते हैं और जब चाहें समुद्र में डूब सकते हैं।
मेरे पास एक बूढ़ी यूक्रेनी औरत बैठी थी, दो लड़कियाँ, भेड़िया-मानव और मिस्रियों का एक परिवार; सब जा रहे थे, दूर, शायद किसी तूफ़ान से मिलने।
हमें साठ के दशक में बने उन भद्दे मकानों के आगे से गुज़रना पड़ा — वह समय, जब वास्तुकारों को ग्रह भर की छूट हासिल थी और वे सर्वशक्तिमान थे; वह समय, जब इटली ख़ाली जगह से भरा था और किसी को नहीं पता था कि उसे कैसे भरें, बस शून्य का नाश हो जाए — "घास से तो भद्दा ही भला", वे सोचते थे; वह समय, जब सब ईश्वर से यही माँगते थे कि उन्हें प्रकृति के बाहर कोई छिपने की जगह खोल दे।
हम एक सुंदर गोबर के टुकड़े से ज़्यादा एक भद्दी कारीगरी पर मोहित होते हैं।
अराजक प्रकृति हमें रोगाणुरहित कुरूपता से ज़्यादा डराती है, इसलिए हम भद्दी चीज़ें बनाते हैं जो हमें तसल्ली दें।
प्रकृति की अमरता, उसका सदा और सर्वदा वहाँ होना, उसका पेड़ों की जड़ों से डामर को खा जाना, उसकी वह विनाशकारी और सर्जक शक्ति जो ब्रह्मांड को पोसती है — यह सब हमें बेचैन करता है; पर यह उस बेचैनी का नाम है कि हम इस धरती पर बस यात्री हैं, कि प्रकृति देर-सबेर हमें अपने भीतर वापस ले लेगी...
[आगे PDF में, 13 पृष्ठ]

Luca Motolese · Lisbona 2016

motolese.com — मूल पाठ इतालवी में